Learn DU
MAKE IT BIG!
All The Best
For Your Exams

learndu.in

Name of Paper	**: History of India – III (c. 750–1200)**
Name of Course	**: B.A. (Hons.) History : CBCS**
Semester	**: III**
Duration	**: 3 hours**
Maximum Marks	**: 75**

(Write your Roll No. on the top imm
on receipt of this question pap

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये ग
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखि

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt any four questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

learndu.in

1. "In comparison to literary sources, epigraphical sources provide better information about the past."

   Discuss this statement in the context of early medieval India.

   "साहित्यिक स्रोतों की तुलना में अभिलेखीय साक्ष्य अतीत के बारे में ज्यादा अच्छी जानकारी प्रदान करते हैं।"

   पूर्व मध्यकालीन भारत के संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

2. Critically assess the recent debates about the nature of changes that took place in early medieval India.

   पूर्व मध्यकाल में हुए बदलावों के स्वरूप के बारे में हाल के विवादों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।

3. Discuss the nature of the Chola state with reference to varied historiographic approaches.

   इतिहासलेखन के विविध दृष्टिकोणों के सन्दर्भ में चोल राज्य के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

4. Would you agree with the view that Ghaznavid campaigns were 'foreign' invasions over 'Indian' territories?

   क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि ग़ज़नवी सैन्य अभियान 'भारतीय' भूमि पर 'विदेशी' आक्रमण थे?

learndu.in

5. Do you agree with the view that early medieval India witnessed the processes of agrarian expansion, peasantisation and proliferation of castes? Discuss.

क्या आप इस मत से सहमत हैं कि पूर्व मध्यकालीन भारत कृषि-विस्तार, कृषकीकरण तथा जातियों की बहुलीकरण की प्रक्रियाओं का साक्षी था? विवेचना कीजिए।

6. Analyse the processes of urbanization in early medieval South India with special reference to the role of merchant guilds.

व्यापारिक निगमों की भूमिका के विशेष सन्दर्भ में पूर्व मध्यकालीन दक्षिण भारत में शहरीकरण की प्रक्रियाओं का विश्लेषण कीजिए।

7. Discuss the different dimensions of Bhakti of Alvars and Nayanars. Do you think it posed a challenge to Brahmanic orthodoxy in the eighth and ninth centuries?

अलवार तथा नयनार की भक्ति के विभिन्न पहलुओं की विवेचना कीजिए। क्या आप मानते हैं कि इसने आठवीं व नौंवी सदी में बाह्मणवादी कट्टरपंथ के लिए एक चुनौती पेश की?

8. Elucidate the development of regional languages and literature in your period of study.

Join Us For University Updates

learndu.in

learndu.in

Learn_DU

Learn DU